>

Title: Need to ensure proper implementation of credit policy for minorities by public sector banks in the country.

श्री कमल किशोर कमांडो (बहराइच): सभापति महोदय, आज आपने मुझे एक बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दे पर बात करने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं।

देश में अल्पसंख्यक वर्ग के लोग आर्थिक रूप से काफी कमजोर और गरीब हैं। मेरा संसदीय क्षेत्र बहराइच है, जो उत्तर प्रदेश के अन्दर आता है, जिसकी आधे से ज्यादा आबादी अल्पसंख्यक है। वहां अल्पसंख्यक ही ज्यादा निवास करते हैं। वे बहुत ही गरीब हैं। उनके व्यवसाय के लिए कोई साधन नहीं है, इसलिए या तो वे बकरियां पालकर अपनी जिंदगी व्यतीत करते हैं या अन्य ऐसा ही कोई काम करते हैं, जिससे उनकी रोजी-रोटी चलती रहे।

मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि अल्पसंख्यकों के उत्थान के लिए बहराइच जनपद में अल्पसंख्यक बाहुल्य इलाकों में बैंकों की तमाम शाखाएं खोली जायें, जिससे वे बैंक में जो प्रावधान बने हैं, उनके अन्तर्गत बैंक से ऋण ले सकें और वे अपने व्यवसाय को शुरू कर सकें। उत्तर प्रदेश में खास करके बहराइच सबसे गरीब इलाका है, जहां पढ़ाई-लिखाई बिल्कुल नगण्य है। देश में जो शिक्षा है, वहां वह केवल 27 परसेंट है। मैं भारत सरकार से यह निवेदन करूंगा कि उत्तर प्रदेश सहित हिन्दुस्तान में यह आदेश जाना चाहिए कि अल्पसंख्यकों के हर तरह के विकास के लिए, उनकी हर तरह से मदद करनी चाहिए। जो भी मदद भारत सरकार से उत्तर प्रदेश सरकार को जाती है, वहां वह सारा धन किसी अन्य काम में खर्च हो जाता है। मैं यह भी मांग करूंगा कि आज तक वहां उन्होंने कोई बड़ी रेलवे लाइन नहीं देखी है, जबकि गोंडा से लेकर बहराइच तक और नागपाड़ा से रूपेडीहा तक रेलवे लाइन सैंक्शन हो चुकी है।

मेरा यह निवेदन है कि यदि वह रेलवे लाइन जल्द से जल्द तैयार हो जाती है तो अल्पसंख्यक लोग, जिनकी बहराइच में आधे से ज्यादा संख्या है, वह वहां से बाहर निकलकर कोई न कोई व्यवसाय करेंगे और उनकी रोजी-रोटी का एक साधन बनता जाएगा। इसके साथ-साथ मैं चाहूंगा कि बैंक में कार्य करने के लिए, कार्य को सिखाने के लिए एक ट्रेनिंग सेंटर की व्यवस्था होनी चाहिए।